कोहनी के ज्वाइंट को निकाल कर लगा दी आर्टिफिशियल हड्डी

कोसीकलां। हड्डी रोग विभाग के डॉक्टरों की टीम ने एक व्यक्ति की कोहनी के ज्वाइंट को रिप्लेस कर उसकी जगह आर्टीफिशियल ज्वाइंट डालने में सफलता हासिल की है। कोसी क्षेत्र में इस तरह की यह पहली सर्जरी है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत बाजना निवासी गोपाल 25 वर्ष ब्रज ट्रोमा सेंटर में भर्ती हुए थे। उनके एक हाथ की कोहनी की हड्डी टूट चुकी थी। एक्सरे के जरिए डॉक्टरों ने हड्डी पूरी तरह से डेमेज होना पाई। मरीज के हाथ की कोहनी में आर्टीफिशियल ज्वाइंट डालना जरूरी था। डॉक्टरों ने ऑपरेशन की तैयारी की। इस तरह के प्रत्यारोपण बड़े शहरों में होते हैं, लेकिन यहां पर ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉ. मुकुल अग्रवाल ने यह ऑपरेशन किया। डॉ. ने बताया कि उन्होंने पहले फरीदाबाद में इस तरह के ऑपरेशन किए थे।

विशेषज्ञों ने बताया कि इस तरह के ऑपरेशन में खर्च काफी आता है। सामान्यत एक ऑपरेशन में डेढ़ लाख रुपए का खर्च आता है।यहां आयुष्मान भारत योजना के तहत ऑपरेशन हुआ है। गोपाल ने बताया कि करीब चार वर्ष स्कूल में खेलते समय कोहनी के बल जमीन पर गिर गया था। काफी इलाज कराया, लेकिन दर्द नहीं कम हो रहा था। सर्जरी के बाद मरीज ने काफी राहत मिलने की बात कही।

लगावप्रबधु

कोहनी के ज्वॉइंट को निकाल कर लगा दी आर्टिफिशियल हड्डी: कोसीकलां। हड्डी रोग विभाग के डॉक्टरों की टीम ने एक व्यक्ति की कोहनी के ज्वाइंट को रिप्लेस कर उसकी जगह आर्टीफिशियल ज्वाइंट डालने में सफलता हासिल की है। कोसी क्षेत्र में इस तरह की यह पहली सर्जरी है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत बाजना निवासी 25 वर्षीय गोपाल ब्रज ट्रोमा सेंटर में भर्ती हुए थे। उनके एक हाथ की कोहनी की हड्डी टूट चुकी थी। एक्सरे के जरिए डॉक्टरों ने हड्डी पूरी तरह से डैमेज होना बतायी। ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. मुकुल अग्रवाल ने यह ऑपरेशन किया। डॉ. ने बताया कि उन्होंने पहले फरीदाबाद में इस तरह के ऑपरेशन किए थे।